SOCIOLOGY (039)
PRACTICE PAPER 1
MARKING SCHEME
GRADE XII
TERM 2 : 2021-22

Time: 2 hours Maximum Marks: 40

SECTION - A

1. **उच्च वर्ग/जमींदार*(1)***
2. **पश्चिमीकरण*(1)***

SECTION -B

3. **A. कृषि या खेती*(2)***

   B. कुम्हार,जुलाहे,लोहार,सुनार,ज्योतिष,पुजारीआदि

4.A. आईटी कंपनियों और कॉल सेंटर के कारण*(2)*

B. संयुक्त परिवार की आवश्यकता महसूस होना

5. -वेतननहींमिलना*(2)*

-जीवन यापन की समस्या

-खाने-पीने की कमी

-बच्चों की शिक्षा बंद हो जाना

-अन्य रोजगार की तलाश गांव की ओर पलायन

(कोई 2)

6. -हदबंदी अधिनियम के प्रावधानों से बचने के लिए*(2)*

-बड़े किसानों के पास अधिक जमीन होती थी और सरकार ने जमीन रखनेकी सीमा तयकी

-बचने के लिए यह लोग अपने भूमि का विभाजनरिश्तेदार और अन्य लोगों के बीच

-परंतु वास्तव में अधिकार भूस्वामी का

7. -पश्चिमी शिक्षाको अपनाना *(2)*

-सरकारी रोजगार को अपनाना

-ब्रिटिश सभ्यता और संस्कृति का अनुसरण

-अंग्रेजी भाषा में साहित्यिक रचनाएं

-निम्न जातियों द्वारा भी अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करके अपनी स्थिति में सुधार

(कोई 2)

8.-तमिलनाडु में पोंगल *(2)*

-आसाम में बिहु

-पंजाब में बैसाखी

-कर्नाटक में उगाड़ी

(कोई 2)

अथवा

-किसान द्वारा सीधा सरकार को जमा कराना

-जमींदारों की बिचौलिया के रूप में भूमिका के समाप्ति

-किसान की सक्रिय भागीदारी

9. कामगारों से काम अधिक कराने के 2 तरीके:*(2)*

-कार्य के घंटों को बढ़ा देना

-निर्धारित समय में अधिक वस्तुओं का उत्पादन

SECTION - C

10.एम.एन.श्रीनिवास*(4)*

-निम्न जाति द्वारा अपनी स्थिति सुधार का प्रयास

-बहुआयामी प्रभाव:भाषा,साहित्य,विचारधारा,संगीत,नृत्य-नाटक, अनुष्ठान

-जीवन पद्धति में परिवर्तन का प्रयास

-संस्कृतिकरण संबंधित समूह कीराजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार की कोशिश

11.*(4)*

.-संगठित क्षेत्र का सीमित दायरा

-सामाजिक विषमता

-जातीय भेदभाव

-अशिक्षा

-गरीबी

-संगठित क्षेत्र में रोजगार पाने की लिए उचित प्रशिक्षण का अभाव

अथवा

.-विज्ञापन द्वारा

-रोजगार कार्यालय द्वारा

-व्यक्तिगत संपर्क

-ठेकेदार

-समाचार पत्र के माध्यम से जानकारी

-रोजगार एजेंट

12. पंजाब और तमिलनाडु में 1970 के दशक से प्रारंभ हुए*(4)*

<u>लक्षण:</u>

-क्षेत्रीय आधार पर संगठित

-दल रहित

-कृषक के स्थान पर किसान

-मांग के केंद्र में मूल्य और संबंधित मुद्दे

-उपद्रव के तरीके अपनाना

-राजनीतिज्ञ और प्रशासकों का विरोध

SECTION -D

13.-1960-70 के दशक में कृषि आधुनिकीकरण का सरकारी *(6)*

कार्यक्रम

-आर्थिक सहायता

-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा अधिक उत्पादकता वाले संकर बीजों के साथ कीटनाशक का प्रयोग

सकारात्मक प्रभाव

-गेहूं और चावल का उत्पादन

-भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

-नई तकनीक द्वारा कृषि उत्पादकता में वृद्धि

-कृषि के नवीनतम तकनीक के बारे में किसानों को जानकारी

-कृषि मजदूरों की मांग में वृद्धि

नकारात्मक प्रभाव

-केवल मध्यम एवं बड़े किसानों को लाभ

-बढ़ती कीमत और भुगतान के तरीकों के कारण कृषि श्रमिकों की आर्थिक स्थिति में गिरावट

-व्यावसायिक एवं बाजार उन्मुख खेती सेआजीविका को असुरक्षा

-खेती के प्रारंभिक पारंपरिक प्रणाली को नुकसान

-पर्यावरण जोखिम को बढ़ावा

-सामाजिक विभेदीकरण

-अमीर गरीब के बीच अंतर अधिक होना

-क्षेत्रीय असमानता को बढ़ावा

अथवा

-कृषक समाज को उसकी वर्ग संरचना से पहचान

-जाति व्यवस्था द्वारा संरक्षित

-जाति और वर्ग के जटिल संबंध

-संबंध में स्पष्टता का अभाव सबसे

-अच्छी जमीन और साधन

-उच्च और मध्यम जातियों के पास शक्ति का विशेषाधिकार

-निम्न वर्गों पर कई तरह के अत्याचार

-किसी क्षेत्र में प्रबल जाति के रूप में जिनकीसंख्या और प्रभाव अधिक है,उनकी एक क्षेत्र विशेष में महत्वपूर्ण भूमिका

-भूमि सुधार कानूनों के द्वारा जातिगत एवं वर्गगत

-असमानता को दूर करने का प्रयास

14.-सामाजिक स्तर पर होने वाले आंदोलन*(6)*

-सामूहिक समूह द्वारा गतिविधि का संचालन

-समाज के एक वर्ग विशेष समूह की सक्रिय भागीदारी

<u>लक्षण</u>

-लंबे समय तक निरंतर सामूहिक गतिविधि

-इस प्रकार की गतिविधि प्राय राज्य के विरुद्ध तथा राज्य की नीति का व्यवहार में परिवर्तन की मांग के लिए संगठननेतृत्व एवं सामाजिक संरचना

-आंदोलनकारी समूहों के बीच पारस्परिक संबंध

-उद्देश्य तथा विचारधाराओं की समानता

-प्रायः किसी जनहित के मामले में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से

सामाजिक परिवर्तन लाने या परिवर्तन को रोकने की दिशा में प्रयास